हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 29 सितंबर 2025

तापमान

अधिकतम 33 .7 डिग्री
न्यूनतम 22 .6 डिग्री

11 रामलीला में सीता हरण का हुआ मनमोहक मंचन

12 डेटल क्षेत्र में नवीनतम तकनीक से अपडेट ...

शहर में आज

- अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में होगी कर्मचारी यूनियन की मीटिंग।
- लघुसचिवालय में अधिकारी सुनेंगे आमजन की समस्याएं।

खबर संक्षेप

पेपर रहित रजिस्ट्री का आज होगा शुभारंभ

रोहतक। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 29 सितंबर को बाबैन कुरुक्षेत्र में राजस्व विभाग की नई पहल के तहत पेपर रहित रजिस्ट्री प्रणाली, पेपर रहित निशानदेही, व्हाट्सएप चैटबोट व राजस्व न्यायालय निगरानी प्रणाली का शुभारंभ करेंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम लघु सचिवालय के सभागार में प्रातः 9:30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा मुख्य अतिथि होंगे।

किसान 30 तक मशीन खरीदना करें सुनिश्चित

रोहतक। सहायक कृषि अभियंता राजीव पाल ने बताया कि अवशेष प्रबंधन की आरकेवीवाई योजना 2025-26 के तहत मशीन खरीद करके बिल कटवाने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 30 सितंबर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने www.agri-haryana.gov.in पोर्टल पर उक्त योजना के तहत 20 अगस्त 2025 तक आवेदन किया था, वे निर्धारित तिथि तक बिल अवश्य कटवाएं। उन्होंने बताया कि सभी आवेदनों में से लाभार्थियों का चयन ड्रा ऑफ लॉट्स के माध्यम से जिला स्तरीय कमेटी द्वारा किया गया था।

आईटीआई में दाखिले के लिए अंतिम तिथि कल

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में स्थित सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक

प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2025-26 में दाखिले लेने के लिए इच्छुक आवेदकों के लिए ऑन-दा-स्पॉट दाखिला आवेदन की अन्तिम तिथि 30 सितंबर 2025 है। दाखिला आवेदन करने के लिए यह अंतिम अवसर है।उन्होंने बताया कि हसनगढ़ आईटीआई में कुल 18 व्यवसायों में कुल 311 सीटें खाली हैं। इच्छुक छात्र/छात्रा इस दौरान राजकीय आईटीआई हसनगढ़ में पहुंचकर हेल्पडेस्क पर दाखिले के लिए निःशुल्क आवेदन कर सकते हैं तथा इन व्यवसायों में दाखिला ले सकते हैं। इच्छुक आवेदक दाखिले सम्बन्धी अन्य जानकारी (व्यवसायों की सूची, आवश्यक दस्तावेज, योग्यता व पात्रता इत्यादि) एडमिशन पोर्टल https://admissions.iti-haryana.gov.in से प्राप्त कर सकते हैं।

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस की टीम ने नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग

के दौरान गाड़ी सवार युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया।आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई। थाना पुरानी सब्जी मंडी एसआई सुशील कुमार ने बताया कि हेड कांस्टेबल प्रदीप के नेतृत्व में पुलिस चौकी सुखपुरा की टीम आउटर बाईपास नजदीक वनसिटी के पास नाकाबंदी कर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे।

आक्रोश : 22 से शुरू होनी थी खरीद अब तक नहीं, प्राइवेट एजेंसी ने खरीदा बाजरा

नमी कम करने को धूप में सुखाई जा चुकी फसल

सरकारी खरीद न होने से किसानों में रोष, मंडियों में धान का अंबार

किसान फसल के ढेर के पास ही डेरा जमाए बैठे हैं। आलम यह है कि दिन में तपती धूप और रात को मच्छरों के बीच खुले आसमान के नीचे ही उन्हें समय गुजारना पड़ रहा है। प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कदम सामने नहीं आया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नई अनाज मंडी में धान की सरकारी खरीद शुरू न होने से किसानों का आक्रोश दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। तय कार्यक्रम के अनुसार 22 सितंबर से मंडी में खरीद प्रक्रिया शुरू होनी थी, लेकिन एक सप्ताह बीतने के बावजूद सरकारी एजेंसियां सक्रिय नहीं हो पाई हैं। मजबूरी में किसान अपनी फसल के ढेर के पास ही डेरा जमाए बैठे हैं। आलम यह है कि दिन में तपती धूप और रात को मच्छरों के बीच खुले आसमान के नीचे ही उन्हें समय गुजारना पड़ रहा है। इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस कदम सामने नहीं आया है।

नई अनाज मंडी में निजी खरीद तो चल रही है, लेकिन वहां दिए जा रहे दाम बेहद कम हैं। किसान साफ कह रहे हैं कि औने-पौने भाव पर अपनी मेहनत का धान बेचने का सवाल ही नहीं उठता। वहीं, बाजरे की खरीद का अधिकांश हिस्सा निजी एजेंसियों ने पहले ही निपटा लिया है। किसानों का आरोप है कि सरकार चुप बैठी है और इस ढिलाई ने उन्हें आंदोलन की ओर धकेलने का काम किया है। अगर हालात ऐसे ही रहे तो मजबूरी में सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन छेड़ना पड़ेगा।

रोहतक। रोहतक अनाज मंडी में खुले में पड़ा धान। फोटो : हरिभूमि

अभी तक एक ही मिलर ने अप्लाई किया

मंडी में किसान अपनी फसल लेकर पहुंच रहे है। फसल जो पहुंच रही है, उनमें नमी भी पाई जा रही है। खरीद प्रक्रिया की बात करें तो अभी तक एक ही मिलर ने अप्लाई किया है। अन्य मिलर भी खरीददारी के लिए अप्लाई करेंगे। किसानों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा। उन्हें मंडी में सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। **-दीपक लोहचब,** सेक्रेटरी, अनाज मंडी

नमी 17% से ऊपर बताकर खरीद नहीं कर रही एजेंसियां

शुरुआती दौर में खरीद एजेंसियों ने धान में अधिक नमी (17 प्रतिशत से ऊपर) का हवाला देकर प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई। लेकिन अब किसानों ने धूप में सुखाकर नमी को 17 प्रतिशत से नीचे ला दिया है। इसके बावजूद खरीद में देरी ने उन्हें और चिंतित कर दिया है। जानकारी के अनुसार पहले धान की खरीद का जिम्मा हैफेड के पास था, लेकिन अब इसे वेयरहाउस कॉरपोरेशन को सौंप दिया गया है। इसी बदलाव पर भारतीय किसान यूनियन और अन्य किसान संगठनों ने कड़ा ऐतराज जताया है। संगठनों का कहना है कि सरकार किसानों को उलझाने की रणनीति अपना रही है।

सहनशीलता अब दे रही जवाबः किसान रणधीर

उनकी सहनशीलता की सीमा अब समाप्त हो चुकी है। कब तक वे मंडी में बैठे रहेंगे और कब तक सरकार बहाने बनाती रहेगी। यह किसानों का शोषण है और वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

आठ दिनों से मंडी में डेरा डाले : जयप्रकाश

कई किसान पिछले आठ दिनों से मंडी में डेरा डाले हुए हैं। उनका कहना है कि रातभर मच्छरों से जूझना पड़ता है और दिनभर मंडी में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। अब सरकारी खरीद न होने से उनकी परेशानी कई गुना बढ़ गई है।

अब धान में नमी 17 प्रतिशत से नीचेः अरूण कुमार

अब धान में नमी 17 प्रतिशत से नीचे है। इसके बावजूद खरीद को टालना सीधे तौर पर अन्याय है। किसान यूनियन को सामने आना पड़ा तो सरकार तुरंत हरकत में आ जाएगी। अच्छा यही होगा कि सरकार बिना देरी किए खरीद शुरू कर दे।

प्राइवेट खरीददार बहुत कम रेट दे रहे हैंः रामबीर

प्राइवेट खरीददार बहुत कम रेट दे रहे हैं। खून-पसीने से उपजी फसल को औने-पौने दाम पर बेचना संभव नहीं है। सरकार ने भरोसा दिया था कि समय पर खरीद होगी, मंडियों में अफरा-तफरी और असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

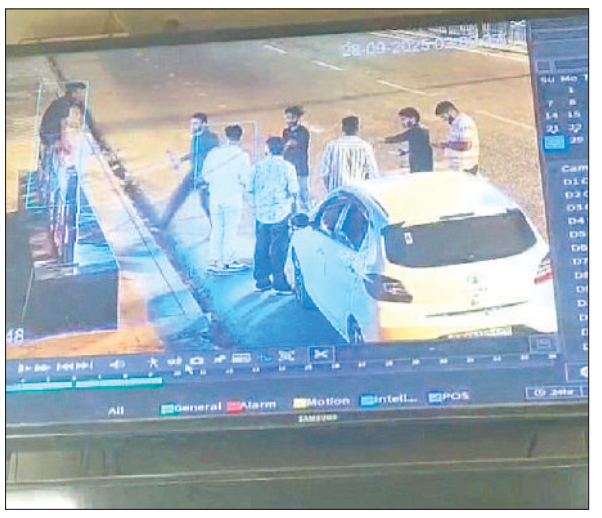

रोहतक की पहचान पर वार

नगर निगम की सजावट को निशाना बना रहे शरारती तत्व

सफाई और सौंदर्यकरण की मुहिम को झटका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर को स्वच्छ और आकर्षक बनाने के लिए नगर निगम लगातार प्रयासरत है। शहरवासियों में जागरूकता और अपनत्व की भावना जगाने के लिए नगर निगम ने मानसरोवर पार्क और जाट कॉलेज के पास आई लव रोहतक लिखे बड़े-बड़े बोर्ड लगाए थे। इनका उद्देश्य लोगों में शहर के प्रति गर्व और जिम्मेदारी का भाव जगाना था। लेकिन रविवार तड़के करीब तीन बजे कुछ शरारती तत्वों ने इन बोर्डों को क्षति पहुंचाकर नगर निगम की मुहिम पर चोट पहुंचाई। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी 13 सितंबर को जाट कॉलेज के पास लगाए गए आई लव रोहतक के बोर्ड को तोड़ दिया गया था। उस घटना की रिपोर्ट पीजीआई थाने में दर्ज कराई गई थी, लेकिन आरोपी अब तक पकड़ से बाहर हैं। अब फिर से दोहराई गई इस हरकत ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि आखिर शहर की पहचान और सुंदरता से जुड़ी इस पहल को क्यों बार-बार निशाना बनाया जा रहा है। नवीनतम घटना में आरोपी शराब के नशे में दिख रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखाई देता है कि एक युवक आई लव रोहतक पर बैठता है।

सीसीटीवी फुटेज भी सौंपी जाएगी

नगर निगम आयुक्त डॉक्टर आनंद कुमार शर्मा ने घटना की कड़ी निंदा की है। रोहतक को स्वच्छता और सौंदर्यीकरण की दिशा में इंदौर जैसा शहर बनाने की कोशिश की जा रही है। मगर कुछ लोग शहर की प्रगति और पहचान को स्वीकार नहीं कर पा रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरोपियों के खिलाफ पुलिस को रिपोर्ट दी जाएगी और सीसीटीवी फुटेज भी सौंपी जाएगी।

आईएचटीएम छात्रों ने वर्ल्ड फूड इंडिया में किया सहभाग

फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, सुरक्षा मानकों जैसे क्षेत्रों से रूबरू हुए छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) के छात्र वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के चौथे संस्करण में प्रतिभाग कर न केवल खाद्य उद्योग की आधुनिक प्रवृत्तियों से रूबरू हुए, बल्कि पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्र में व्यावसायिक संभावनाओं को भी निकट से समझा। डॉ. शिल्पी के नेतृत्व में आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण में बीटीटीएम एवं एमटीटीएम पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। डॉ. शिल्पी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पाठ्यक्रम की सैद्धांतिक जानकारी को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ते हुए उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना था। उन्होंने बताया कि छात्रों को फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, सुरक्षा मानकों, पोषण विज्ञान और स्टार्टअप इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में जो जानकारियां मिलीं, वे न केवल खाद्य उद्योग बल्कि पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के साथ भी गहराई से जुड़ी हैं। आईएचटीएम निदेशक प्रो. आशीष दहिया ने कहा कि यह शैक्षणिक यात्रा नवनिर्मित बीबीए अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो छात्रों को शिक्षण के साथ-साथ उद्योग में प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करता है।

राज्य स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ आज

रोहतक। जेड ग्लोबल स्कूल (ऑप्टिमा सेंटर) में सुबह 9 बजे 58वीं हरियाणा राज्य स्तरीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ होगा। मुख्य अतिथि पूर्व सहकारिता मंत्री और भाजपा नेता मनीष ग्रोवर प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे, जबकि भाजपा हरियाणा के वाइस प्रेसिडेंट सतीश नांदल विशिष्ट अतिथि होंगे। प्रतियोगिता में बेसबॉल (लड़के), हॉकी (लड़के) और स्केटिंग (लड़के व लड़कियां) खेलों के मुकाबले आयोजित होंगे। आयु वर्ग अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। बेसबॉल और हॉकी में लगभग 1188 और 1200 खिलाड़ी मैदान पर खेलेंगे, जबकि स्केटिंग में राज्य के 22 जिलों की कुल 792 लड़के और लड़कियां हिस्सा लेंगी।

पानी पीने के लिए आमजन को करना पड़ रहा संघर्ष

कई मोहल्लों 5 से 10 मिनट ही आ रहा है पानी, टैकरों का ही सहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक में बेशक मौसम में परिवर्तन हो रहा है लेकिन इसके बाद भी लोगों का पीने के पानी के लिए संघर्ष बढ़ रहा है। शहर में दर्जनों ऐसी कॉलोनियां हैं जहां या तो पानी की सप्लाई नहीं आ रही या फिर दस मिनट तक के लिए आती है। जो पर्याप्त नहीं होता। इसकी वजह से इन कॉलोनियों के लोगों को परिवार को पानी मुहैया करवाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। कोई कई किलोमीटर दूर स्थित हेंडपंप से कैन में पानी भरकर ला रहा है तो कोई आरओ वाटर खरीदने के लिए विवश है। हैरानी की बात यह है कि

अधिकारियों को सब कुछ मालूम है लेकिन समाधान नहीं हो रहा। लाढ़ौत रोड, राजेंद्र नगर, गोहाना रोड, जींद रोड, सलारा मोहल्ला, पाड़ा मोहल्ला, तेज कॉलोनी, हनुमान कॉलोनी, गोहाना अड्डा, अशोक नगर, संजय नगर, गोहाना अड्डा, सुखपुरा, बसंत विहार कॉलोनी, शास्त्री नगर आदि ऐसी कॉलोनियां हैं, जहां पानी की सप्लाई में ज्यादा दिक्कतें आ रही हैं। इन एरिया के लोगों को पानी के लिए काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। ये हाल भी तब है जब डीसी सचिन गुप्ता सहित जन स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी तक निरीक्षण कर रहे हैं।

पानी के लिए लगा चुके जाम

इन गर्मियों में लोग पानी न मिलने पर कई बार जाम तक लगा चुके हैं। सुनारिया चौक, जींद रोड, नया बस अड्डा, उत्तम विहार, आजादगढ़ आदि क्षेत्र के लोग पानी न मिलने पर रोड जाम लगा चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में स्वर्ण पदक विजेता हरियाणा की शान योग खिलाड़ी 'काफी' का भव्य सम्मान

रोहतक। गांव रिटौली की बेटी और राष्ट्रीय स्तर की पदक विजेता योग खिलाड़ी काफी का रविवार को भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग शामिल हुए और बेटी की उपलब्धियों पर गर्व जताते हुए उसे आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद चेयरमैन मंजू हुड्डा, ब्लॉक समिति चेयरमैन खुशीराम हुड्डा, सतगामा प्रधान पाल बालंद, एनसीसी अधिकारी जितेन्द्र जांगड़ा, फौजी भाईचारा संगठन से सचिन फौजी व दीपक फौजी, पूर्व जिला खेल अधिकारी व योग गुरु मनोज कुमार, जिला पार्षद जयदेव डागर, अमर सरपंच कबूलपुर, मंजीत रिटौली व बलजीत पहलवान सहित अनेक हस्तियां मौजूद रहीं। कोच अरुण आर्य ने बताया कि 11 से 14 सितंबर तक भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) में आयोजित 6वीं राष्ट्रीय योगासन खेल प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में काफी ने स्वर्ण पदक हासिल कर हरियाणा का मान बढ़ाया। अब काफी 2026 में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी करेगी और पूरे विश्वास के साथ कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वह देश का नाम रोशन करेगी। अपनी सफलता का श्रेय काफी ने अपने माता-पिता, कोच तथा फौजी भाईचारा ग्रुप को दिया, जिन्होंने हर संघर्ष की घड़ी में उसका साथ दिया। काफी की उपलब्धियां भी बेहद प्रेरणादायक रही हैं।

मौसम न्यूनतम तापमान सामान्य नहीं होने की वजह से सितंबर अंत तक भी महसूस हो रही है तपिश

भादवे में सावन की झड़ी और अब आसौज में भादवे जैसी गर्मी, रात का तापमान सामान्य से 5.1 डिग्री ज्यादा

- दिन का पारा भी 0 .9 डिग्री सेल्सियस ज्यादा, आने वाले दिनों में तापमान में होगी आंशिक गिरावट

अमरजीत एस गिल ⏭ रोहतक

आज रविवार तक आसोज (अश्विन) के 21 दिन बीत गए हैं। लेकिन इस महीने में आमतौर पर इन दिनों में जो मौसम होता है, वैसे इस बार नहीं है। आसोज में भी भादवा (भाद्रपद)जैसी गर्मी परेशान किए हुए हैं। रविवार को रोहतक का अधिकतम तापमान 36.5 और न्यूनतम 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में बीते 24 घंटे में 0.9 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। बढ़ोतरी के बाद पारा सामान्य से 1.9 डिग्री ज्यादा हो गया है। दिन में ज्यादा गर्मी महसूस होने की दो वजह हैं। एक तो इस समय पूर्वा हवाएं चल रही हैं। दूसरा न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 5.1 डिग्री सेल्सियस अधिक है। जब तक न्यूनतम तापमान में गिरावट शुरू नहीं होगी तब तक अधिकतम तापमान भी कम नहीं होगा। सितंबर 2024 का रोहतक मुख्यालय का अधिकतम एवरेज तापमान 32.2 और न्यूनतम 24.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। आज रविवार 28 सितंबर तक भी एवरेज तापमान लगभग गत वर्ष जितना ही है। मौसम विभाग के मुताबिक दिन का पारा बीते 28 दिनों में औसतन 32.5 डिग्री सेल्सियस रहा है। जबकि रात का 24.5 डिग्री।

8 से शुरू हुआ था आसोज

रोहतक जिले में 7 सितंबर दक्षिणी-पश्चिमी मानसून का बारिश का अंतिम दिन था। एक जून से मानसून की विदाई 20 सितंबर तक जिले में 626.6 मिलीमीटर बरसात हुई। जोकि सामान्य से 34 फीसदी अधिक है। 10 अगस्त से 7 सितंबर तक भादवा महीना था। भादवे में आमतौर पर जबरदस्त गर्मी होती है। इसकी वजह भी बरसात ही होती है। बरसात के बाद पर्यावरण बिल्कुल साफ हो जाता है तो सूर्य की किरण सीधी धरती तक पहुंचती है। किरणें बिना किसी अवरोध के हमारे तक आती हैं तो ज्यादा चुभन महसूस होती है।

तापमान में होगी आंशिक गिरावट

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार की तरफ से रविवार शाम को जारी किए पूर्वानुमान के मुताबिक अरब सागर में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने से हवाओं की दिशाओं में बदलाव हो सकता है। जिससे हरियाणा में मौसम आमतौर पर 3 अक्तूबर तक परिवर्तनशील रहेगा। बीच-बीच में आंशिक बादल रहने की संभावना है। इस दौरान अरब सागर से नमी वाली हवाएं आने से राज्य के विशेषकर दक्षिणी जिलों रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, मेवात, पलवल, गुरुग्राम, फरीदाबाद व आसपास के क्षेत्रों में 29 सितंबर रात्रि व 30 सितंबर को कुछ एक स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी हो सकती है।

जमकर बरसा था भादवा

इस बार भादवा में(10 अगस्त से 7 सितंबर तक) जोरदार बरसात हुई है। अगस्त में रोहतक जिले में औसतन 204.6 मिलीमीटर बरसात हुई। रोहतक खंड मुख्यालय पर सबसे ज्यादा 318, महम ब्लॉक में 169, सांपला में 242, कलानौर में 186 और लाखनमाजरा क्षेत्र में 108 एमएम रिकॉर्ड की गई। अगस्त में बरसात तो होती है। लेकिन इतनी ज्यादा नहीं। रुक-रुककर लगातार बरसात होती रही तो भादवे में गर्मी नहीं हुई। लेकिन अब बीते 21 दिन से बारिश नहीं हुई तो तापमान सामान्य से ज्यादा है। साल 2024 में जिले में एवरेज 187.2 मिलीमीटर बारिश हुई थी।

मां दुर्गा की पूजा

साल भर में नवरात्रि दो बार आती हैं। लोग चैत्र और शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करके अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए कामना करते हैं। इस समय शारदीय नवरात्रि चल रही है, जोकि इस बार 9 की बजाय 10 दिन चलेगी। ये दुर्लभ योग लगभग 27 साल बना है। जहां दुर्गा अष्टमी 30 सितंबर को है वहीं नवमी की पूजा 1 अक्टूबर को होगी। दुर्गा अष्टमी अपने आप में खास है। इस दिन की पूजा का सबसे ज्यादा महत्व होता है। इसी तरह नवमी की पूजा का भी महत्व है।

परंपरा, उत्साह और संस्कृति का पर्व दशहरा

दशहरा को विजयादशमी भी कहा जाता है। पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' पर्व के रूप में मनाते हैं।

नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है।

संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है, जहां हर पर्व लोगों के जीवन में उत्साह, भक्ति और सांस्कृतिक विविधता का रंग भरता है। यहां मनाए जाने वाले पर्व न केवल आस्था से जुड़े होते हैं बल्कि उनके नाम और परंपराओं में गहरे सांस्कृतिक और पौराणिक अर्थ भी छिपे होते हैं। ऐसा ही एक प्रमुख पर्व है दशहरा; जिसे विजयादशमी भी कहा जाता है। यह त्योहार अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है और पूरे देश में इसे बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में देखा जाता है।

असल में 'दशहरा' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है दश और हारा। दश का अर्थ है 'दस' और हारा का अर्थ है 'हारना'। जिसका सीधा संकेत है रावण के दस सिरों का नाश। माना जाता है कि जिस दिन भगवान राम ने लंका के राजा रावण का वध किया, उस दिन को 'दशहरा' के पर्व के रूप में मनाते हैं। रावण के दस सिर केवल उसके शरीर का प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे दस प्रकार की बुराइयों जैसे क्रोध, काम, मोह, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या, स्वार्थ, अन्याय, अत्याचार और अधर्म को दर्शाते थे। इस प्रकार दशहरा उन बुराइयों पर विजय का प्रतीक बन गया। इस क्रम में 'विजयादशमी' को देखें तो 'विजया' का अर्थ है विजय या जीत तथा 'दशमी' का अर्थ है मास की दशमी तिथि अर्थात यह वह तिथि है जब धर्म की अधर्म पर, सत्य की असत्य पर, और अच्छाई की बुराई पर विजय हुई। एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन देवी दुर्गा ने महिषासुर नामक असुर का वध किया और देवताओं को पुनः उनका अधिकार लौटाया। इसलिए इस दिन को विजयादशमी भी कहा जाता है। भारत के लगभग सभी राज्यों में दशहरा हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उत्तर भारत में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब में रामलीला का मंचन और रावण दहन बड़े स्तर पर होता है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में इसे दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। भव्य पंडाल, मूर्तियाँ और सिंदूर खेला इस पर्व की विशेषता हैं। दक्षिण भारत में कर्नाटक का मैसूर दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। तमिलनाडु में बोम्मई गोलू और केरल में आयुध पूजा तथा विद्यारम्भम् की परंपरा है। जबकि गुजरात और महाराष्ट्र नवरात्रि के दौरान गरबा और डांडिया नृत्य होते हैं।

दशहरे पर शमी वृक्ष की पूजा होती है। दशहरा केवल देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं हैं। प्रवासी भारतीय जहाँ-जहाँ बसे हैं, वहाँ उन्होंने दशहरे और दुर्गा पूजा की परंपरा को भी जीवित रखा है। नेपाल में दशैं कहा जाता है और यह सबसे बड़ा पर्व है। श्रीलंका में रामायण से जुड़े स्थानों पर इस दिन विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। बांग्लादेश में दुर्गा पूजा बड़े पैमाने पर होती है और हिंदू समुदाय दशहरा भी मनाता है। जबकि अमेरिका और कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में बड़े भारतीय संगठन हर साल दुर्गा पूजा और रावण दहन का आयोजन करते हैं तथा सांस्कृतिक संस्थाएँ दशहरा महोत्सव आयोजित करती हैं। सिंगापुर और मलेशिया में भी दशहरा नवरात्रि और गरबा के साथ व्यापक रूप से मनाया जाता हैं। इसी प्रकार हरियाणा जहां अपनी वीरता और कृषि दोनों के लिए प्रसिद्ध है, यहाँ का दशहरा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा में दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह सामुदायिक मेलजोल, लोककलाओं के संरक्षण और परंपराओं को जीवित रखने का एक माध्यम भी है। हरियाणा में पानीपत के दशहरे की एक अनोखी परंपरा है। जहां मन्नत पूरी होने पर पुरुष और बच्चे हनुमान का रूप धारण करते हैं। वे कई दिनों तक ब्रह्मचर्य और तपस्या का पालन करते हैं। दशहरे के दिन वे रावण के पुतले की परिक्रमा करते हैं और फिर पुतले का दहन होता है। यह परंपरा अंग्रेज़ों के शासनकाल में भी जारी रही, जब दशहरा मनाने पर रोक लगी थी। कैथल में दशहरे पर लगभग 200 साल पुरानी परंपरा है। भक्त अष्टमी से दशहरे तक हनुमान स्वरूप में नगर की परिक्रमा करते हैं। दशहरे के दिन रावण पर गदा प्रहार किए बिना उसका दहन नहीं किया जाता। जबकि अंबाला दुनिया के सबसे ऊँचे रावण पुतले बनाने के लिए प्रसिद्ध है। बराड़ा में बनाए गए रावण ने कई बार रिकॉर्ड बनाया है और लाखों लोग इसे देखने आते हैं। फरीदाबाद में एक मुस्लिम परिवार पीढ़ियों से रावण के पुतले बना रहा है। यह धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इसी प्रकार कुरुक्षेत्र महाभारत की भूमि होने के कारण यहाँ दशहरे का महत्व और बढ़ जाता है। पांडवों द्वारा शमी वृक्ष में हथियार छिपाने की कथा के चलते शमी पूजा यहाँ विशेष रूप से की जाती है। करनाल में तकनीकी दृष्टि से विशेष पुतले बनाए जाते हैं। रावण की आँखों और मुँह से आग और आतिशबाजी निकलती है, जो दर्शकों को आकर्षित करती है। दशहरे के पर्व की लोक

परम्पराएं भी अद्भुत हैं। प्रदेशभर में दशहरे से पहले गाँवों और शहरों में बड़े स्तर पर रामलीला होती है और सूर्यास्त के बाद रावण दहन किया जाता है। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक आयोजन भी आयोजित किए जाते हैं और सांग, धमाल और अन्य लोक नृत्यों द्वारा लोग मनोरंजन करते हैं। नवरात्रि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में घरों की दीवारों पर मिट्टी, गोबर, और अन्य सामग्री से सांझी की आकर्षक आकृति बनाई जाती है और घरों में सांझी माता की प्रतिमा दीवारों पर सजाई जाती है सांझी मातृदेवी मानी जाती हैं, जिन्हें दुर्गा या पार्वती का रूप माना जाता है। सांझी को चूड़ी, बिंदी और अन्य आभूषणों से सजाया जाता है। शारदीय नवरात्रि में सांझी की पूजा मुख्य रूप से की जाती है और दशहरे के दिन विसर्जन होता है। हरियाणाभर में सांझी की पूजा के दौरान लोकगीत गाने की परंपरा भी है। यथा -

मेरी सांझी के औरे धोरै फूल रही कव्वाई
भान मैं तन्नै बूझूं संझा कै तेरे भाई
मेरे पांच पचास भतीजे नौ दस भाई
भान कैयां का ब्याह रचाया कितने की सगाई
पांचा का तो ब्याह रचाया दसां की सगाई।

और देखिए ...

म्हारी सांझी ए के ओढैगी के पहरैगी
क्यांए की मांग भरावैगी
मिसरू पहरूंगी स्यालु औढूंगी
मोतियां की मांग भराऊंगी
म्हारी सांझी ए के जीमेगी के झूठेगी
क्यांए की चलुए भरावैगी
लाडू जीमूंगी पेड़ा झुठूंगी
इमरत की चलुए भराऊंगी

इसी क्रम में सांझी का आरता तो और अधिक विशेष है ...

आरता ए आरता संझा माई आरता
आरता के फूल चमेली की डाल्ही
नौ नौ नोरते दुरगा माई के
सोलां कनागत पितरां के
जाग सांझी जाग तेरै मात्थे लाग्या भाग
पीली पीली पट्टिआं सदा सुहाग

इसके अलावा नवरात्रि के दौरान मिट्टी के पात्र में बोए गए जौ को दशहरे पर काटकर बहनों द्वारा भाइयों के कान पर लगाया जाता है और उनके मंगल की कामना की जाती है। दशहरे के दिन पूजा के समय आयुध पूजा भी की जाती है। जिसमें किसानों और सैनिकों द्वारा औजारों और हथियारों की तो विद्यार्थियों द्वारा अपनी पुस्तकों और गृहिणियों द्वारा अपने रसोई की प्रयोग वस्तुओं की पूजा की जाती है।

इस अवसर पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य हरियाणा विशेष परंपराओं और ऐतिहासिक धरोहर के साथ और भी जीवंत हो उठता है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह समाज को जोड़ने वाला पर्व है। जो बच्चों और युवाओं को हमारे पौराणिक इतिहास से जोड़ता है तथा हमें अपने भीतर की बुराइयों जैसे क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को मज़बूत करता है। दशहरा भारतीय संस्कृति और एकता का संदेश देता है। यह पर्व हर साल हमें याद दिलाता है कि चाहे अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश की विजय होती है। कहा जा सकता है कि हमारे भारत की ये समृद्ध परम्पराएं और पर्व तो विशेष हैं ही किन्तु हरियाणा की अपनी परम्परा और संस्कृति उसमें और चार चाँद लगा देती है, इसमें तनिक भी संदेह नहीं है।

कविता

डा. रणबीर सिंह दहिया

जलवायु प्रदूषण

कार्बन साइकल नै समझां जै दुनिया बचाणी रै।।
धरती संकट बढ़ता आवै होज्या कुनबा घाणी रै।।

पौधे करैं ऑक्सीजन पैदा ये सूरज के प्रकाश मैं
कार्बन डाइऑक्साइड सोखैं ये भोजन की आस मैं
संघर्ष और निर्माण का इतिहास बनाया प्राणी रै।।

इस ब्रह्मांड को समझैं इसमैं हम सां कड़े खड़े
कुदरत के नियम जाणे म्हारे कदम भी सही पड़े
इसका जब मजाक उड़ाया पड़ी मूंह की खाणी रै।।

आस पास और दुनिया मैं कैसे यह संसार चलै
कुदरत और जनता को कैसे यो धनवान छलै
इस धनवान लुटेरे की कोन्या चाल पिछाणी रै।।

चल चल पूंजी खावैगी या म्हारे पूरे ही समाज नै
धरती का संकट बढ़ाया सै इसके तेज मिजाज नै
विकास टिकाऊ बचा सकता म्हारी सबकी हाणी रै।।

कविता

विजय सिंह सिवाच

गजब का हरियाणा

देख्या म्हारा गजब का हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा, दूध दही का खाणा ।।

हरियाणा नाम इसका न्यू पड़्या मेरे भाई।
खुद श्री कृष्ण जी ने, यहां गीता आण सुणाई।।
हरे भरे जंगल यहां, सदा हरियाली छाई।
ग ऊ माता के दूध की यहां, नदिया बहती पाई।।
म्हारा मुख्य काम बताया अन्न का उपजाणा।
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

सब धर्मों के लोग यहां, सबकी ऊंची शान।
36 जात रहें प्रेम से,सबका होता मान सम्मान।।
सादे भोले लोग यहां के, कृषि इनका मुख्य काम।
अनजान को भी भाई कहकर,करते उसका मान।।
पहले छेडैं नहीं फिर छोडैं नहीं,योहे प्रण निभाणा
आपसी प्रेम घणा,और दूध दही का खाणा...

खेलों में भी हरियाणे नैं, ऊंचा नाम कमाया।
साक्षी और फोगाट बहनों ने, भारत भाल चमकाया ।।
हवा सिंह जी, विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में नाम कमाया।
अनगिनत खिलाड़ी हरियाणा के, मैं लिख नहीं पाया।।
सादर नमन उन खिलाड़ियों को,जिन्होंने चमकाया हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

राजनीति में भी हरियाणा नहीं, पीछे नाम कमाने में।
छोटू राम मशहूर हुए फिर छोटा राम कहलाने में।।
देवी लाल मशहूर हुए ,लोकराज चलाने में।
बंशीलाल मशहूर हुए,विकास के पैमाने में।।
प्रोफेसर शेर सिंह के प्रयासों से, 1966 में बणा हरियाणा।
आपसी प्रेम घणा और दूध दही का खाणा...

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पारंपरिक तकनीक

ब्रिटिश शासन के समय 1890 के दशक में स्थापित की गई यह चक्की आज भी कार्यशील

अनमोल धरोहर है फतेहपुर-पूंडरी की पनचक्की

जीवनशैली

डॉ. सत्यवान सौरभ

कैथल जिले के पूंडरी क्षेत्र में स्थित फतेहपुर गांव की पानी से चलने वाली आटा चक्की न केवल स्थानीय ग्रामीण समुदाय के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह चक्की ब्रिटिश शासन के समय, लगभग 1890 के दशक में स्थापित की गई थी और आज भी कार्यशील स्थिति में है। इसे हरियाणा की एकमात्र जलचालित आटा चक्की के रूप में जाना जाता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और पारंपरिक तकनीक का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

करीब 127 साल पुरानी यह पनचक्की अंग्रेजों ने 1890 के आसपास बनवाई थी। आज भी यह चक्की पूरी तरह चालू है और लोग इसका पिसा हुआ आटा खाते हैं। इसकी खासियत यह है कि यहाँ पिसा आटा बिल्कुल ठंडा रहता है और वातावरण भी पूरी तरह प्राकृतिक है। यह भारत की सबसे पुरानी चालू पनचक्कियों में से एक मानी जाती है। यह चक्की फतेहपुर से नैना-धौंस रोड पर सरसा ब्रांच नहर पर बनी है। नहर का पानी लोहे के बड़े-बड़े पंखों पर गिरता है, जिससे वे घूमते हैं और चक्की चलती है। यहाँ पाँच चक्कियाँ लगी हुई हैं जो एक घंटे में लगभग 200 किलोग्राम गेहूँ की पिसाई कर सकती हैं। खास बात यह है कि यहाँ वजन तौलने के लिए कोई कांटा नहीं रखा गया। लोग स्वयं गेहूँ डालते हैं और पिसाई के बाद आटा अपने कट्टे में भर लेते हैं। फतेहपुर, पूंडरी, नैना, धौंस, काकौत समेत कई गाँवों के लोग यहाँ पिसाई करवाने आते हैं। पानी की इस चक्की की विशेषता यह है कि यह जल की ऊर्जा का उपयोग करके अनाज पीसने का कार्य करती है। बिजली या किसी अन्य ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं पड़ती। जलचक्की की यह पारंपरिक तकनीक केवल ऊर्जा की बचत ही नहीं करती, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन कृषि और औद्योगिक ज्ञान को जीवित रखती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पुराने समय में लोग

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किस प्रकार तकनीकी समस्याओं का समाधान करते थे। फतेहपुर की जलचालित आटा चक्की न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का भी एक प्रमुख स्रोत रही है। इस चक्की के माध्यम से ग्रामीण समुदाय पारंपरिक जीवनशैली और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन को बनाए रखता है। जलचालित आटा चक्की पर्यावरण की दृष्टि से भी बेहद उपयोगी है। बिजली पर निर्भर न होने के कारण यह ऊर्जा की बचत करती है और प्रदूषण कम करती है। यह दिखाती है कि पुराने समय में पारंपरिक तकनीकें कितनी प्रभावी और टिकाऊ होती थीं। आज के युग में जब बिजली और मशीनों पर अधिक निर्भरता बढ़ गई है, इस चक्की का उदाहरण हमें प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग सिखाता है। इस चक्की की संरचना और कार्यप्रणाली भी काफी रोचक है। इसमें पानी की धारा से एक पत्थर या चक्की घूमती है, जो अनाज को पीसने का काम करती है। यह तकनीक इतनी प्रभावशाली थी कि इसे आज भी कई अन्य आधुनिक उपकरणों के मुकाबले स्थायी और विश्वसनीय माना जाता है। स्थानीय लोग इसे बड़ी श्रद्धा और गर्व के साथ संचालित करते हैं। फतेहपुर की जलचक्की केवल एक औद्योगिक उपकरण नहीं है, बल्कि यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह हरियाणा की परंपराओं, तकनीकी ज्ञान और ग्रामीण जीवन की कहानियों को जीवित रखती है। इस चक्की के माध्यम से युवा पीढ़ी अपने पूर्वजों के जीवन और उनकी मेहनत और साधनों को समझ सकते हैं। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने भी इस जलचक्की के महत्व को समझते हुए इसे संरक्षित करने और प्रचारित करने की दिशा में कई पहल की हैं। पर्यटक और शोधकर्ता इस चक्की का अनुभव लेने फतेहपुर आते हैं और इसकी तकनीक, इतिहास और सामाजिक महत्व को समझते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होता है। जलचक्की का महत्व केवल ऐतिहासिक या आर्थिक नहीं है। यह हमें पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ जीवनशैली का संदेश देती है। जब प्राकृतिक संसाधनों का सही और संतुलित उपयोग किया जाता है, तो समाज को स्थायित्व और सुरक्षा मिलती है। फतेहपुर की यह जलचक्की इस दृष्टिकोण का जीता-जागता उदाहरण है। आज के युग में जब मशीन और बिजली पर निर्भरता बढ़ गई है, पारंपरिक जलचक्कियों का महत्व और भी बढ़ गया है। यह न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित रखती हैं, बल्कि हमें प्राकृतिक संसाधनों के महत्व और पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करती हैं। फतेहपुर की यह चक्की युवाओं के लिए शिक्षा और शोध का भी माध्यम बन सकती है। अंततः, फतेहपुर, पूंडरी की जलचालित आटा चक्की न केवल ऐतिहासिक धरोहर है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण रोजगार और पारंपरिक तकनीकी ज्ञान का महत्वपूर्ण प्रतीक भी है। इसे संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों को इसके महत्व के बारे में जागरूक करना हर नागरिक और प्रशासन की जिम्मेदारी है।

समय के साथ खुद में बदलाव लाएं आरजे : आनंद शर्मा

कलाकार

डा. तबस्सुम जहां

आकाशवाणी हम सबको बचपन से ही लुभाता रहा है। ख़ूबसूरत और दिलकश आवाज़ों का यह तिलस्मी संसार सबको एक जादुई मोहपाश में बांध लेता है। वर्तमान आधुनिक दौर में मनोरंजन के तमाम संसाधन होने के बावजूद आज भी आकाशवाणी का नाम ज़हन में आते ही बहुत ही ख़ूबसूरत-सी आवाज़ें हमारे कानों में गूंजने लगती हैं और इसीलिए आज हम आपको परिचित करा रहे हैं आवाज़ की ऐसी ही ख़ूबसूरत दुनिया से। बहुत ही शानदार व्यक्तित्व के धनी आनंद शर्मा जो अपनी बेहद ख़ूबसूरत आवाज़, दिलकश अंदाज़ और बेहतरीन प्रस्तुति के ज़रिए हरियाणा के तमाम लोगों के दिलों में बसते हैं।

आज भी जब आकाशवाणी हिसार से उनकी आवाज़ गूंजती है तो केवल युवा पीढ़ी की ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोगों की पसंद होती है। पिछले दो दशक से इस क्षेत्र रेडियो जॉकी (आरजे) से जुड़े आनंद न केवल आकाशवाणी बल्कि रेडियो मंत्रा (वर्तमान में रेडियो सिटी) जैसे मंचों से जुड़े रहे हैं। ख़ास बात यह है कि वे साहित्य की संवेदना से भी जुड़े हैं। यही कारण है कि उनके आकाशवाणी के कार्यक्रमों में नित नवीनता मिलती है। आनंद शर्मा का जन्म करनाल (हरियाणा) में हुआ और इन्होंने एमएससी और बीएड तक शिक्षा पाई है। आकाशवाणी में अपने 20 साल के करियर में शायद ही ऐसी कोई उपलब्धि हो जो इन्हें न मिली हो। अपने कार्यकाल में इन्होंने रेडियो से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण फीचर्स, रेडियो साक्षात्कार, रेडियो शोज, आदि किए हैं। आनंद शर्मा हरियाणा के पहले ऐसे आरजे हैं जो रेडियो मंत्रा हिसार , रेडियो मंत्रा करनाल और आकाशवाणी हिसार मॉर्निंग की लॉन्चिंग वॉइस रहे हैं। साहित्य की बात करें तो इनकी कविताएं हरियाणा से निकल कर दिल्ली, यू पी, मध्यप्रदेश, मुंबई और ब्रिटेन व अमेरिका तक की पत्र-पत्रिकाओं में छप चुकी हैं। स्वयं उनके शब्दों में- 'यूँ तो मेरी आवाज़ ईश्वरीय देन है लेकिन मैं अपनी आवाज़ का थोड़ा ध्यान तो रखता हूँ, थोड़ी सी ब्रीदिंग एक्सरसाइज करता हूँ और कुछ खास नहीं।' इन्होंने जब से होश संभाला तब से ही रेडियो को हमेशा अपने घर में सुना क्योंकि उनके पिता जी रेडियो और संगीत के बहुत शौकीन थे। बचपन से ही उनके अवचेतन मन में ये बात बैठ गई कि वह भी एक दिन रेडियो में बोलेंगे। उसी का परिणाम है कि वह आरजे बन गए। आरजे के रूप में करियर की संभावनाओं दके बारे में उनका कहना है कि ये युग संचार का है और यदि आप प्रभावी ढंग से अपनी बात कहने में सक्षम हैं तो आप को काम की कोई कमी नहीं है। जैसाकि हम जानते हैं कि वर्तमान में आकाशवाणी का पुरातन तिलस्मी दौर लगभग मृतप्रायः हो चुका है। एक समय तो यह गायब ही हो गया था प्राइवेट चैनल के द्वारा रेडियो की पुनः वापसी हुई लेकिन इसे आकाशवाणी की वापसी तो नहीं कहा जा सकता। उक्त संदर्भ में आनंद शर्मा को लगता है कि आकाशवाणी जड़ है, पेड़ है और प्राइवेट एफ़एम उसके पुष्प , जो अलग रंग के हो सकते हैं , मौसम आने पर महक सकते हैं किंतु पुष्प का अस्तित्व जड़ और तने के बिना असंभव है। आनंद शर्मा मानते हैं कि एक आरजे जब भीतर बैठ कर अपना कार्यक्रम कर रहा होता है उस समय आपको या एक श्रोता को लग सकता है कि हमारे सामने कोई चेहरा नहीं होता लेकिन इसे ऐसा मानिए कि हम लोग असल में आप से ही बात कर रहे होते हैं तो वो एकालाप नहीं अपितु वार्तालाप ही होता है । आनंद शर्मा ने बताया कि आवाज़ की दुनिया से जुड़े लोग कहते हैं कि रेडियो एक नशा है। इसमें आर्थिक तौर पर इतना लाभ नहीं है। वह कहते हैं कि बेशक! वह भी इस नशे से ग्रस्त हैं, और शायद उनके लिए ये नशा लाइलाज हो चुका है और नशे में नफ़ा नुकसान नहीं देखा जाता।

उनका यह भी मानना है कि इसमें आर्थिक लाभ नहीं है तो ऐसा भी नहीं है, आजकल एक आरजे अच्छा पैसा कमा सकता है बशर्ते वो समय के साथ खुद को बदलने को तैयार हो। आकाशवाणी को सतत जिंदा रखना है तो इसमें किस प्रकार का आधुनिकीकरण किया जा सकता है? के सवाल पर आनंद शर्मा ने बताया कि बदलाव जरूरी है और चाहे व्यक्ति विशेष हो या कोई संस्था। आकाशवाणी ने भी खुद को बदला है और सतत प्रयास भी कर रहा है किंतु कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। आकाशवाणी का जन्म किसी रेस में जीतने के लिए नहीं हुआ अपितु लोगों की भलाई और मनोरंजन के लिए हुआ है जो अधिक महत्वपूर्ण है। आनंद शर्मा के अनुसार आकाशवाणी भाषा की शुद्धता पर बड़ा ध्यान देता है। एक समय था कि इसके बताए समय से लोग अपनी घड़ियों का समय मैच करते थे। ख़बरों के मामले में भी दूरदर्शन और आकाशवाणी इतना विश्वसनीय रहा है। भाषा की शुद्धता और समय को लेकर आकाशवाणी आज भी विश्वसनीय है। जहां तक ख़बरों की बात है सच कभी सबको प्रिय नहीं हो सकता। आलोचना और असहमति उसका अभिन्न अंग है। आज जिस तेज़ी से हरेक क्षेत्र में अंग्रेज़ी भाषा का प्रचलन बढ़ा है ऐसे में आकाशवाणी हिंदी को बचाने के लिए किस प्रकार भूमिका निभा सकता है? इस सवाल पर उन्होंने दो टूक कहा कि अंग्रेज़ी का प्रचलन बढ़ने से हिंदी को बचाने जैसी बात कैसे पैदा हो सकती है? मैं नहीं समझता। चंद्रमा की चांदनी से सूरज के अस्तित्व को खतरा कैसे हो सकता है? दोनों की अपनी जगह है, अपना महत्व है। जहां तक आकाशवाणी का प्रश्न है तो वो वह एक संस्कारी पुत्र की तरह हिंदी की सेवा कर रहा है । वर्तमान पीढ़ी आकाशवाणी को सुनती नहीं है लेकिन यह लोग इससे जुड़ने के तो इच्छुक रहते ही हैं तो इसमें चयनित होने की प्रक्रिया क्या रहती है? इस प्रश्न पर असहमति जताते हुए आनंद शर्मा ने बताया कि लोग सुनते हैं तभी तो जुड़ना चाहते हैं। आकाशवाणी से जुड़ने के इच्छुक अभ्यार्थी आकाशवाणी की स्वर परीक्षा में हिस्सा लेकर एक साक्षात्कार के उपरांत आकाशवाणी परिवार का हिस्सा बन सकते हैं।

आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए

आनंद शर्मा एक मशहूर कवि भी हैं और साहित्य और दर्शन के अच्छे ज्ञाता भी। उनका मानना है कि साहित्य पठन पाठन और आरजे की भूमिका आपस में गुंथी हुई हैं। एक आरजे या प्रस्तोता को पाठक होना ही चाहिए। असल में जैसा हम पढ़ते हैं, वैसे ही हम प्रस्तोता होते हैं और ये आप किसी भी आरजे को सुनकर सुनिश्चित कर सकते हैं। आनंद शर्मा लेखन के क्षेत्र में कैसे आए? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि लेखन के क्षेत्र में आना एक घटना थी जो कुछ समय पहले ही घटी, शायद दो साल पहले। यकायक विचार भावों का रूप लेकर कविता के तौर पर उभरे और कविता यात्रा आरंभ हो गई।

आवाज़ की दुनिया में आनंद शर्मा अमीन सयानी को अपना गुरु मानते हैं। वह बताते हैं कि यदि आप हिंदी के आरजे हैं तो बेशक आपका सपना होता है कि आप अमीन सयानी जैसी प्रतिभा अर्जित कर सकें। किंतु यदि प्राइवेट एफ़एम की बात करें तो आरजे नितिन से उन्होंने बहुत सीखा है। आनंद शर्मा ने प्राइवेट चैनल और सरकारी संस्थान दोनों जगह काम किया है। दोनों में वह प्रोग्राम करते समय कुछ ज्यादा फ़र्क नहीं पाते हैं। उनके अनुसार एक बार जब आप स्टूडियो में प्रवेश करते हैं कंसोल पर फेडर को उठाने के बाद जब बोलना शुरू करते हैं तो यकीन मानिए इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो सरकारी चैनल है या प्राइवेट।

आवाज़ की दुनिया के लोग अक्सर मंच संचालन में देखे गए हैं क्या आप भी इस क्षेत्र में जाना चाहेंगे? इस प्रश्न पर मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि मैं नए अवसरों को लेकर हमेशा ही उत्साहित रहता हूँ। यदि अवसर मिला तो जरूर आप जल्द ही मुझे किसी मंच पर देखेंगे।

खबर संक्षेप

क्रांतिकारियों को सरकार शहीद का दे दर्जा : धनखड़

रोहतक। हरियाणा कर्मचारी महासंघ ने अंग्रेजों से देशो को आजाद करवाने वाले गुमनाम क्रांतिकारियों को सरकार से शहीद का दर्जा देने की मांग की। साथ ही सरदार भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू की जीवनी को शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में भी शामिल करने की अपिल की। हरियाणा कर्मचारी महासंघ के पूर्व प्रांतीय प्रधान वीरेन्द्र सिंह धनखड़ ने कहा कि देश की आजादी के लिए अनेक वीर शहीदों ने अपनी शहादत दी है, लेकिन बड़े दुख की बात है कि आज तक शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू को सरकार ने शहीद का दर्जा तक नहीं दिया है, जबकि शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरू युवओं के प्ररेणा स्त्रोत है।

भजन पार्टी ने सरकारी योजनाओं का प्रचार किया

रोहतक। हरियाणा सरकार द्वारा सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा जिला में शुरू किए विशेष प्रचार अभियान के अंतर्गत विभागीय सूचीबद्ध सांस्कृतिक व भजन पार्टियां शेड्यूल अनुसार जिला के सभी खंडों में पहुंचकर केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार व्यापक ढंग से कर रही हैं। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि गांव काहनी, मायना, करौंथा, निंदाना खास, महम वार्ड-1, 2 व 3, हसनगढ़, नयाबांस, भैंसरू कलां, रोहतक वार्ड-19 व 20 में किया।

प्राचीन रामलीला में हुआ सूर्पणखा नासिका भंग व सीता हरण का मंचन

रामलीला महोत्सव में सीता हरण का हुआ मनमोहक मंचन,दर्शक हुए भावविभोर

- सूर्पणखा नासिका भंग होते ही रोमांच से भर उठे दर्शन
- रामलीला के मंचन में आस-पास के गांवों से उमड़ रही भीड़

रामलीला मंचन केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक धरोहर भी है। इन दोनों स्थलों पर हुए मंचन ने यह साबित किया कि आधुनिक युग में भी लोग रामायण के प्रसंगों से गहराई से जुड़े हैं। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी उत्साह और श्रद्धा से शामिल हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के रामलीला महोत्सव और दशहरा मेले में रविवार की रात का दृश्य भक्तिमय और भावुक कर देने वाला रहा। सातवें दिन आयोजित रामलीला में कलाकारों ने सीता हरण प्रसंग का ऐसा जीवंत मंचन किया कि दर्शक भावविभोर हो उठे। वहीं, प्राचीन रामलीला सोसायटी द्वारा भी सुपर्णखा नासिका भंग और सीता हरण की प्रस्तुति दी गई, जिसने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादाओं से रूबरू कराया।

आज सीता हरण में राम लक्ष्मण सीता घूमते घूमते पंचवटी में पहुंच जाते हैं तो वहां पर रावण की बहन सूर्पणखा आ जाती है और राम जी से कहती है कि मुझसे शादी कर लो। मैं बहुत सुन्दर हूं रामजी कहते हैं देवी में तो शादीशुदा हूं मेरे साथ में मेरी पत्नी सीता भी है तुम मेरे छोटे भाई लक्ष्मण के पास चली जाओ शायद कुछ बात बन जाए। सूर्पणखा कहने लगी क्या लक्ष्मण अकेले हैं राम जी बोले इस समय तो अकेले है फिर वह लक्ष्मण के पास चली गई और शादी का प्रस्ताव रखा। लक्ष्मण का स्वभाव शुरू से ही क्रोधित था, लक्ष्मण ने गुस्से मे आकर उसकी नाक काट डाली। सर्पूणखा रोती रोती अपने भाई खरदूषण के पास गई। उन्होंने जाकर अपनी कटी हुई नाक दिखाई उसी समय खरदूषण गुस्से में लाल पीले हो गए।

रोहतक। पुरानी आईटीआई में श्री रामलीला उत्सव कमेटी द्वारा आयोजित रामलीला में मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। पुरानी अनाज मंडी में आयोजित रामलीला में मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

मंचन में सीता हरण का प्रसंग मुख्य आकर्षण रहा

मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि रामलीला उत्सव कमेटी द्वारा आयोजित पुरानी आईटीआई ग्राउंड, सरकुलर रोड पर चल रहे महोत्सव में रविवार की रात सीता हरण का प्रसंग मुख्य आकर्षण रहा। मंचन रात 9 बजे से शुरू होकर मध्यरात्रि 12 बजे तक चला। कलाकारों ने श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, रावण और जटायु के चरित्रों को इतनी सजीवता से प्रस्तुत किया कि पंडाल तालियों से गूंज उठा। रामलीला के शुभारंभ अवसर पर सानिध्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानंद महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी राघवेंद्र भारती महाराज, हनुमंत वार्यस उद्योग के निदेशक सुरेंद्र सेठ और गगन मोंगिया उद्घाटनकर्ता के रूप में मौजूद रहे।

सूर्पणखा नासिका भंग मंचन रहा मनमोहक

पुराने बस स्टैंड स्थित श्री प्राचीन रामलीला सोसाइटी (लोकल) में मचन करते कलाकार।

इसी कड़ी में श्री प्राचीन रामलीला सोसायटी में भी रविवार को सुपर्णखा नासिका भंग और सीता हरण का मंचन हुआ। यहां के कलाकारों ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को प्रभावी संवाद और अभिनय के माध्यम से मंच पर उतारा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जैन सभा के प्रधान दीपक जैन, जंबू जैन, अनिल मित्तल, संजय बंसल और विकास गुप्ता मौजूद रहे। दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुति का भरपूर आनंद लिया और जय श्रीराम के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। सुपर्णखा प्रसंग में लक्ष्मण द्वारा उसकी नाक काटने का दृश्य और उसके बाद रावण का प्रतिशोध लेने की ठानकर सीता हरण की योजना बनाना दर्शकों को रामायण के उस युग में ले गया। वहीं, सीता हरण के दौरान रावण का मायावी रूप और जटायु की शौर्यपूर्ण लड़ाई ने पंडाल में मौजूद हर दर्शक को रोमांचित कर दिया।

खबर संक्षेप

डांडिया नाइट में नाचे विद्यार्थी और अभिभावक

रोहतक। सनसिटी 36ए में स्थित आईबी स्मार्ट स्टार्ट ब्लू स्कूल में उत्साह और उमंग के साथ डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में गरबा और डांडिया प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर आईबी स्कूल डायरेक्टर अजीत सिंह ढुल, प्रिंसिपल मनोज कुमार सिंह और स्कूल हेड मिस्ट्रेस निशा चौहान सहित एडमिन हेड पवन कुमार ने किया। कार्यक्रम बहुत ही रंगारंग रहा। बहुत सारे शॉपिंग स्टॉल्स भी लगाए गए। जिस पर बहुत अधिक संख्या में सनसिटी रेजिडेंस और रोहतक वासियों ने शिरकत की और उत्साह के साथ इवेंट का आनंद उठाया। बच्चों ने समूह में डांडिया नृत्य कर सबका मन मोह लिया। अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

भारती शिशु वाटिका में दुर्गा की पूजा का आयोजन

रोहतक। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के तत्वाधान एवं हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संरक्षित शिक्षा भारती शिशु वाटिका मकडौली खुर्द में शनिवार को भजन कीर्तन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य मोना और गांव के सरपंच की धर्मपत्नी ने मां भगवती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस आयोजन में सभी अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम भक्ति और आध्यात्मिकता से भरे माहौल में आयोजित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. आदित्य बत्रा, उपाध्यक्ष उद्योगपति करन विग, प्रबंधक राम चरण सिंगला, कोषाध्यक्ष एसके गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्या बीना कौशिक, डॉ दिनेश मदान ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विद्यालय का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर हुई स्मृति सभा

रोहतक। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर मानसरोवर पार्क में राज्य स्तरीय स्मृति सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण से हुआ। बड़ी संख्या में छात्रों, युवाओं ने इसमें हिस्सा लिया। मुख्य वक्ता कॉमरेड राजेन्द्र सिंह, श्रमिक नेता, एआईयूटीयूसी ने अपने संबोधन में कहा कि शहीद भगत सिंह और उनके साथियों ने आजादी को केवल अंग्रेजों से राजनीतिक मुक्ति तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उनका लक्ष्य शोषणमुक्त समाजवाद की स्थापना था। आजादी के बाद सत्ता पूंजीपतियों के हाथों में चली गई और यह सपना अधूरा रह गया। आज महंगाई, बेरोजगारी और सांप्रदायिकता देश के सामने सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। युवाओं को भगत सिंह के विचारों से प्रेरणा लेकर असली दुश्मन पूंजीपति वर्ग के खिलाफ संगठित होना होगा।

जेजेपी ने मनाई शहीद भगत सिंहकी जयंती

रोहतक। शहीद-ए-आजम भगत सिंह की 118वीं जयंती पर जेजेपी कार्यालय में उनके बलिदान और देशभक्ति के लिए उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि दी गई। जिला प्रभारी हरज्ञान मोखरा ने कहा कि भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर 1907 को पंजाब के लायलपुर (अब पाकिस्तान में बंगा) में हुआ था। उन्होंने अपनी 23 वर्ष की छोटी उम्र में देश को स्वतंत्र कराने के लिए अभूतपूर्व साहस और निडरता का परिचय दिया। उनके विचार और आदर्श आज भी देश के युवाओं को प्रेरणा देते हैं। भगत सिंह ने कहा था कि अंग्रेज मुझे मार सकते हैं, लेकिन मेरे विचारों को नहीं मार सकते। जयंती के अवसर पर सभी जेजेपी कार्यकर्ताओं ने एवं पदाधिकारियों ने शहीद भगत सिंह को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए और कहा कि उनके द्वारा देखे गए स्वतंत्र और प्रगतिशील भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए संकल्पित हैं। देश के लिए उनके बलिदान, विचार और क्रांतिकारी योगदान सदैव याद रहेंगे।

मां कात्यायनी की पूजा अर्चना कर मांगीं मन्नतें

- कार्यक्रम में गद्दीनशीन मानेश्वरी देवी प्रवचन कर पूजा का महत्व बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में ब्रह्मलीन गुरुमां गायत्री के सानिध्य में शारदीय नवरात्र महोत्सव में रविवार को जगदंबे के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की भक्तों ने सपरिवार पहुंचकर मां की अखंड ज्योत की आरती करके और चुनरी चढ़ाकर लंबी दीर्घायु की दुआएं मांगी। इनके पूजन से दीर्घायु की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदि शक्ति मां दुर्गा ने उनकी पुत्री के रूप में जन्म लिया था, इसलिए उन्हें कात्यायनी कहा जाता है।

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में नवरात्र महोत्सव के उपलक्ष्य में मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना करते भक्तजन।

रोहतक। पाहड़ा मोहल्ला माता मंदिर में नवरात्र महोत्सव पर भक्तों ने मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना करते भक्तजन। पंडित ने बताया कि नवरात्र में मंदिर में सुबह शाम की पूजा होती है, चौबीस घंटे माँ की अखंड ज्योत जलती है और अखंड पाठ होता है।

कार्यक्रम में गद्दीनशीन मानेश्वरी के प्रवचन हुए, दुर्गा स्तुति का पाठ और पंडित अशोक द्वारा आरती और प्रसाद वितरित हुआ। यह जानकारी सचिव गुलशन भाटिया ने दी। साध्वी मानेश्वरी ने भक्तों को मां का गुणगान करते हुए कहा कि मां कात्यायनी की पूजा करने से भगवान बृहस्पति प्रसन्न होकर विवाह का योग बनाते हैं और शादी में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। उन्होंने कहा कि इनकी पूजा से मनचाहे वर की प्राप्ति होती है और धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। मां कात्यायनी ने ही अत्याचारी राक्षस महिषासुर का वध कर तीनों लोकों को उसके आतंक से मुक्त कराया था।

यूआईईटी में आईबीएम स्किल्सबिल्ड प्लेटफॉर्म पर ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन

- छात्रों को उद्योगोन्मुखी कौशल से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। ओरिएंटेशन कार्यशाला को सम्बोधित करते मुख्य वक्ता।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) में करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आईबीएम स्किल्सबिल्ड प्लेटफॉर्म पर आधारित एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों को वैश्विक स्तर के डिजिटल कौशल, आईटी ट्रेनिंग और करियर निर्माण संसाधनों से जोड़ना था, ताकि वे तेजी से बदलते उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को दक्ष बना सकें।

कार्यशाला में यूआईईटी के बीटेक प्रथम वर्ष के लगभग 150 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सत्र का संचालन नीतिका (आईबीएम सीएसआर बॉक्स) द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि यह प्लेटफॉर्म छात्रों को आईटी स्किल्स, डिजिटल लिटरेसी, करियर रेडीनेस, और सॉफ्ट स्किल्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करता है।

पूनम व सुमन आर्थिक रूप से हुईं आत्मनिर्भर

रोहतक। आरसेटी द्वारा स्वरोजगार शुरू करने के इच्छुक व्यक्तियों को प्रशिक्षण के साथ-साथ आर्थिक मदद भी दी जा रही है। आरसेटी की मदद से बखेता निवासी पूनम पत्नी पवन कुमार तथा इस्माइला निवासी सुमन ने स्वरोजगार शुरू कर अपनी आमदनी को बढ़ाने में सफलता हासिल की। बखेता निवासी पूनम ने बताया कि वे अपने पति पवन कुमार के साथ कंपनी में काम करते है। उनकी तन्खा मात्र रुपए 10 हजार ही थी, जिसके कारण हमारा घर खर्च मुश्किल से चल पाता था। वे कुछ काम धंधा करने की सोच रही थी। एक दिन उन्हें एक जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान की ओर से ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण बारे जानकारी प्राप्त हुई। इस प्रशिक्षण में बताया गया कि पंजाब नेशनल बैंक द्वारा निशुल्क मदद की जा रही है। उन्होंने विभिन्न प्रकार की ट्रेनिंग में से खिलौने बनाने की ट्रेनिंग लेने का फैसला किया। मंजू ने हमें कई तरह के खिलौने बनाने सिखाए, मैने अपने घर पर ही एक छोटी सी दुकान सें काम शुरू किया और अब मैने अपनी दुकान को बढ़ा लिया है।

टिकाऊ आजीविका के अवसरों की जानकारी दी

रोहतक। ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशन में नेशनल एकेडमी ऑफ रूडसेटी द्वारा पीएनबी आरसेटी खरावड़ में दो दिवसीय डोमेन स्किल सर्टिफिकेशन प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएं इस सर्टिफिकेशन प्रोग्राम में विभिन्न जिलों से आए 85 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जो पूरे क्षेत्र में कौशल विकास पहल में व्यापक रुचि को दर्शाता है। मुख्य उद्देश्य कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य डोमेन स्किल में अधिक कुशल प्रशिक्षकों को नामांकित करना था, जिससे ग्रामीण विकास के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया जा सके।

हाउसिंग बोर्ड कालोनी सेक्टर एक में हो रही राम कथा का छठा दिन

राम-भरत मिलाप और दशरथ के स्वर्गवास का वर्णन सुनकर श्रद्धालुओं की आंखें भर आईं

श्रीराम नाम जप और भजनों पर पंडाल में जमकर झूमे श्रद्धालु

- वृंदावन से आए कथा व्यास जी ने ओजस्वी प्रवचनों से कैकेयी और भरत के चरित्र का विश्लेषण संवाद का सजीव वर्णन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

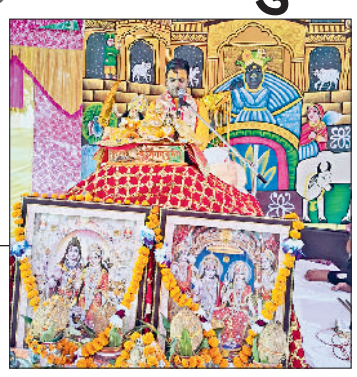

शरदीय नवरात्रों के पर हाउसिंग बोर्ड कालोनी सेक्टर-1 में संगीयमयी श्री राम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा के छठे दिन श्रीधाम वृंदावन मथुरा से आए कथा व्यास आचार्य शिवम कौशिक ने सबसे पहले भगवान श्रीगणेश का पूजन कराकर और लगन लगा बैठे तुमसे और राम नाम संकीर्तन से पंडाल में बैठे सभी भक्तों को राम मय बना दिया। इस दौरान बच्चे, महिलाएं और बड़ी संख्या में लोग झूमते नजर आए। कथा व्यास जी ने ओजस्वी प्रवचनों से कैकेयी और भरत के चरित्र का विश्लेषण संवाद का सजीव वर्णन किया। यह प्रसंग पर आचार्य कौशिक ने भक्तों से कहा कि हमें कुसंगति से बचने की सीख देते हैं। कथा में बताया गया कि सुमंत द्वारा राम के वनगमन का समाचार सुनते ही महाराज दशरथ ने प्राण त्याग दिए। ननिहाल से लौटे भरत को जब यह समाचार मिला तो वे माता कैकेयी और मंथरा पर क्रोधित हुए। वे राम को वापस लाने के लिए वन की ओर चल पड़े। न में भरत के आने पर लक्ष्मण ने पहले शंका जताई। राम ने उन्हें शांत किया। दोनों भाइयों के मिलन से वातावरण भावुक हो गया। भरत ने राम से अयोध्या लौटने का आग्रह किया। राम ने पिता के वचन का सम्मान करते हुए विनम्रतापूर्वक मना कर दिया। उन्होंने भरत को माताओं की सेवा और राजकाज संभालने का आदेश दिया। भरत ने राम की खड़ाऊं को सिंहासन पर स्थापित कर राज्य का संचालन किया।आज की कथा के अंत में भक्तिमय वातावरण में आरती हुई ।

शोध में समर्पण और दृढ़ता को बताया सफलता की कुंजी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, यूजीसी-एमएमटीटीसी द्वारा संचालित सात दिवसीय शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय (साउथ कैंपस) के जैव रसायन विभाग के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक प्रो. वीके चौधरी ने शिरकत की। प्रो. चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि एमडीयू का शोध के प्रति समर्पण और नवाचार की प्रतिबद्धता प्रशंसनीय है। उन्होंने प्रतिभागियों को शोध कार्य को एक अनुशासित, रचनात्मक और नैतिक यात्रा के रूप में लेने की प्रेरणा दी।अपने व्याख्यान के दौरान प्रो. चौधरी ने बताया कि एक मजबूत साहित्य समीक्षा, स्पष्ट शोध समयरेखा और प्रभावी लेखन कौशल किसी भी सफल शोध परियोजना के मूल स्तंभ होते हैं।

hartron
ISO 9001 : 2015
Enhance your talent
HARTRON
SKILL CENTRE For
Computer Education & Training
M.7206002575, 8929411222
Above IDBI Bank, Power House, Chowk, Rohtak
ADMISSION OPEN-2025

Sr. No.	Name of Course	Course Duration
1.	Computer Hardware and Networking Associate	52 (Weeks)
2.	Course In Computer Application	52 (Weeks
3.	Course in Digital Accounting	52 (Weeks
4.	Course in Designing and Publishing	52 (Weeks
5.	Course in Web Technology	52 (Weeks
6.	Course in Software Development	52 (Weeks
7.	Advanced Course in Computer Application	52 (Weeks
8.	Digital Marketing Assistant	26 (Weeks
9.	Software Or Application Testing Assistant	26 (Weeks
10.	Assistant PHP Developer	26 (Weeks)
11.	Hardware Peripheral and Installation Assistant	26 (Weeks
12.	Application Development -Android	26 (Weeks
13.	Course in IT Foundation and Tools	26 (Weeks
14.	Certificate Course in Computer Basics & Accounting	26 (Weeks)
15.	Certificate Course in Web Designing and Multimedia	26 (Weeks
16.	C Language	04 (Weeks
17.	C Plus Plus With Oops	08 (Weeks)
18.	PHP With Mysql	04 (Weeks)
19.	Core Java	06 (Weeks
20.	Advance Java	08 (Weeks
21.	Financial Accounting	06 (Weeks)
22.	Autocad	08 (Weeks
23.	Fundamentals of Cyber Security	06 (Weeks
24.	Programming with Python	12 (Weeks
25.	Fundamentals of Computer	12 (Weeks)

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- ICU Staff 6
- PRO/Marketing Executive 6
- MRI Technician 2
- Computer Operator (Male) 2
- Computer Operator (Female) 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को सौंपा ज्ञापन

रोहतक। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मी संगठन (एमपीएचडब्ल्यू) का एक प्रतिनिधिमंडल पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिलने पहुंचा और उन्हें ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों व समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार के सामने बार-बार मांग उठाए जाने के बावजूद उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है, जिससे तमाम कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। इनकी मांग है कि शहरी क्षेत्रों में समाप्त किए गए एमपीएचडब्ल्यू पदों को बहाल किया जाए और आईपीएचएस के मानकों के अनुसार आबादी के आधार पर नए पद स्वीकृत किए जाएं।

डेंटल क्षेत्र में नवीनतम तकनीक से अपडेट रहें चिकित्सक : कुलपति

विद्यार्थियों ने 180 पोस्टर और 150 पेपर प्रस्तुत किए, जो दर्शाता है कि उनमें रिसर्च के प्रति गहरा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- कुलपति ने वर्कशॉप के सफल आयोजन के लिए डॉ संजय तिवारी और उनकी टीम को बधाई दी

रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ करते कुलपति डॉ एच के अग्रवाल, कुलसचिव डॉ रूप सिंह, डीन डॉ अशोक चौहान, डीन एकेडमीक अफेयर्स डॉ एमजी वशिष्ठ,चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल व प्राचार्य डॉक्टर संजय तिवारी।

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेंटल साइंसेज (पीजीआईडीएस) द्वारा पूरे हरियाणा प्रदेश के डेंटल कॉलेज के छात्रों के लिए आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप कनेक्शन फॉर परफेक्शन 2.0 का रविवार को मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एच के अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ रूप सिंह, डीन डॉ अशोक चौहान, डीन एकेडमीक अफेयर्स डॉ एमजी वशिष्ठ, चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल ने दीप प्रज्वलित करके पर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर डॉ एच के अग्रवाल ने उपस्थित चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कहा कि वह इस वर्कशॉप के सफल आयोजन के लिए डॉ संजय तिवारी और उनकी टीम को बधाई देते हैं। डॉ अग्रवाल ने कहा कि इस साइंटिफिक दो दिवसीय वर्कशॉप से चिकित्सकों का ज्ञानवर्धन होगा और संस्थान में आने वाले मरीजों को नवीनतम तकनीकों से इलाज का लाभ मिलेगा। डॉ अग्रवाल ने खुशी जताई कि विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी गई, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों ने 180 पोस्टर और 150 पेपर प्रस्तुत किए, जो दर्शाता है कि उनमें रिसर्च के प्रति गहरा उत्साह है।

3डी प्रिंटिंग की दी जानकारी

डॉ अग्रवाल ने बताया कि वर्कशॉप में लेज़र, 3डी प्रिंटिंग, रोबोटिक सर्जरी जैसी आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई जो दंत चिकित्सा में अत्यधिक उपयोगी हैं। हरियाणा के सैकड़ों डेंटल सर्जन इस वर्कशॉप में भाग ले रहे हैं जिससे प्रदेश के लोगों को लाभ मिलेगा। डॉ अग्रवाल ने कहा कि डेंटल कॉलेजों को अपने साइंटिफिक प्रोग्राम में प्रदेश के सभी डेंटल कॉलेज के चिकित्सकों को शामिल करना चाहिए।डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज हरियाणा डॉ मनीष बंसल ने कहा कि पीजीआईडीएस देश के शीर्ष संस्थानों में से एक है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ओरल हेल्थ के लिए प्रतिबद्ध है और हरियाणा पीएचसी स्तर पर डेंटल सर्जन उपलब्ध कराने वाला पहला राज्य है। डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ गौरव मुनजाल ने कहा कि पीजीआईडीएस ने उत्कृष्ट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया है। यह सिर्फ एक कॉन्फ्रेंस नहीं है बल्कि दंत चिकित्सा क्षेत्र में साइंटिफिक स्टैंडर्ड का जश्न है। उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सा सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र है और चिकित्सकों को खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ रूप सिंह, डॉक्टर अशोक चौहान, डीन अकादमिक अफेयर्स डॉ एमजी वशिष्ठ, चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल, डॉ वीरेन्द्र ,डॉ माला कंबोज, डॉ शिखा तिवारी, डॉ अमरीश,डॉ महेश ,डॉ रूचि, डॉ अरुण, डॉ शशि बाला,डॉ नेहा, डॉ रितु नामदेव,डॉ अंबिका, डॉ भावना, डॉ आदर्श, डॉक्टर विपुल यादव आदि मौजूद रहे।

फरवरी से चल रही थी वर्कशॉप की तैयारी

प्राचार्य डॉक्टर संजय तिवारी ने बताया कि वर्कशॉप में 850 से अधिक पंजीकरण हुए। फरवरी से इसकी तैयारी चल रही थी जिसमें कमेटी मेंबर्स और स्टूडेंट्स का सहयोग रहा। डॉ तिवारी ने कहा कि डॉ अग्रवाल ने इस कॉन्फ्रेंस के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉक्टर तिवारी ने बताया कि लाइव सीपीआर हेल्थ केयर वर्कर्स के लिए डॉ प्रशांत कुमार ने सिखाई। वर्कशॉप के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ मंजुनाथ ने स्वागत संबोधन में कहा कि दंत चिकित्सा बहुत उन्नत हो गई है और नवीनतम तकनीकें उपलब्ध हैं। डॉ हरनीत सिंह ने बताया कि वर्कशॉप के दौरान डॉक्टर आई के सिंह, डा मंजूनाथ,डॉ वीरेंद्र यादव, डॉक्टर संजय मिगलानी, डॉ गूंजन, डॉक्टर प्रफुल्ल, डॉ पुनीत ,डॉ मीनू तनेजा, डॉ नीरज ने व्याख्यान दिया। स्टेज का संचालन डॉ हरनीत सिंह व रितु नामदेव ने किया।

पार्षद खुराना ने विकास कार्यों का किया शुभारंभ

वार्ड14 में 4.34 करोड़ रुपये से होंगे विकास कार्य, लोगों को मिलेगी राहत

लिबर्टी माल के पीछे ज़ीरो पार्क , विजय पार्क 2, चौधरी बख्शा राम पार्क, विजय पार्क का होगा सौंदर्यीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम वार्ड 14 में करीब 4 करोड़ 34 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य किए जाएंगे। रविवार को पार्षद कंचन खुराना ने इन विकास कार्यों का शुभारंभ किया। झंग कॉलोनी में नर्सरी पार्क के पास सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन पारंपरिक तरीके से नारियल फोड़कर किया गया। इस अवसर पर बुजुर्ग महिला सरस्वती देवी रोहिल्ला भी मौजूद रही। इन विकास कार्यों से आमजन को काफी राहत मिलेगी। पार्षद कंचन खुराना ने बताया कि वार्ड के कई क्षेत्रों में सड़क निर्माण और सुधार कार्य किए जा रहे हैं। झंग कॉलोनी में डॉ. ईश्वर आई अस्पताल वाली सड़क के साथ नर्सरी पार्क और रोजगार विभाग वाली गली का निर्माण शामिल है। सुभाष नगर में मुख्य सड़क और विभिन्न गलियों में 84 लाख 90 हजार रुपये की लागत से विकास कार्य होंगे। माडल टाउन में सामुदायिक केंद्र के सामने वाली गली 11 लाख 98 हजार रुपये और पीछे वाली गली 23.03 लाख रुपये की लागत से सुधारी जाएगी।

माडल टाउन में सामुदायिक केंद्र के सामने वाली गली पर 11 लाख 98 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे

कहां कितने होंगे खर्च

इसके अतिरिक्त गोल मार्केट वाली गली 23.55 लाख, पावर हाउस से लाल कुआं तक 43.25 लाख, डबल पार्क दिगम्बर जैन मंदिर वाली गली, चांद नगर में वाटर वर्क्स के पीछे वाली गली, अर्जुन नगर की यू शेप वाली गली और आदर्श नगर में 8 नं वाली गली 25.90 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य पाइपलाइन में हैं। उन्होंने बताया कि दुर्गा कालोनी की मुख्य सड़क, शिशु मंदिर वाली गली, मयंक भारद्वाज वाली गली, झंग कॉलोनी की नंद मंदिर वाली गली, मानसरोवर कॉलोनी की विभिन्न गलियां, माडल टाउन में राजकीय वरिष्ठ कन्या विद्यालय और लक्की पार्क के चारों तरफ सड़कों का निर्माण, लिबर्टी माल के पीछे ज़ीरो पार्क का जीर्णोद्धार तथा विजय पार्क 2, चौधरी बख्शा राम पार्क, विजय पार्क और संत रविदास पार्क का सौंदर्यीकरण भी आगामी योजना में शामिल हैं। पार्षद कंचन खुराना ने कहा कि यह विकास कार्य वार्डवासियों की सुविधा, सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक स्थानों की सुन्दरता बढ़ाने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी नगर निगम विकास कार्यों को निरंतर प्राथमिकता देगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नीरू निझावन, हर्ष बिन्द्रा, अंजू सचदेवा, ऊषा सहगल, आकांक्षा भल्ला, सीमा विज, विजय परुथी, दिनेश हुड्डा, अशोक लाठर, अजय निझावन, अशोक खुराना, अनिल दुआ, सुरेंद्र सचदेवा, चन्द्र देव शर्मा, कालू वधवा, सुरेंद्र यश, नरेंद्र सहगल, लक्की परुथी, संदीप रोहिल्ला, अशोक मदान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित

- सुभाष नगर में मुख्य सड़क और विभिन्न गलियों में 84 लाख 90 हजार रुपये की लागत से विकास कार्य होंगे।

गांव मायना में बॉक्सिंग अकादमी का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव मायना में रविवार को बॉक्सिंग अकादमी का उद्घाटन किया गया। अकादमी का नाम जय बाबा पाल नाथ बॉक्सिंग अकादमी रखा गया है। कार्यक्रम में मुख्य अथिति बाबा बालक नाथ, कोच अनिल धनखड़ और विशाल पंघाल रहे।

इस मौके पर कोच अनिल धनखड़ ने अकादमी के लिए बॉक्सिंग रिंग का पूरा सेट दिया। वहीं, विशाल पंघाल ने 51,000 रुपये की नकद राशि अकादमी को विकसित करने के लिए दी है। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों को बड़ी मदद मिलेगी और वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाएंगे। वहीं, कोच नवीन खोखर ने बच्चों के लिए 50 जोड़ी गलव्ज भेंट किए। वहीं, विनेश लाकड़ा ने कहा कि जो भी बच्चा अकादमी में अभयास करेगा उसे फूड सप्लीमेंट फ्री में दिया जाएगा।

इस मौके पर प्रवीण सरपंच, अनिल ब्लॉक समिति मेंबर, संजु कोच, बबलू लाकड़ा, प्रदीप लाल, विनोद पहलवान, देवेंद्र फौजी, मीनू फौजी, जसवीर मास्टर, रामकुमार टोलेदार, प्रकाश मास्टर, महावीर पेशी और बिजेन्द्र आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

रोहतक। लाखन माजरा खंड के गांव नांदल को नशामुक्त बनाने के लिए सरपंच जयप्रकाश व ग्रामीणों ने गांव के बुजुर्गों व युवाओं नशामुक्ति टीम का गठन कर नशे के खिलाफ घर-घर जाकर लोगों को जागरूकता करने का फैसला लिया है। रविवार को सरपंच जयप्रकाश की अध्यक्षता में गांव के प्रबुद्ध नागरिकों व जागरूक युवाओं ने चौपाल में एक महत्वपूर्ण जनसभा का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष अपने विचार रखे। और उसके बाद हरी झंडी दिखाकर नशामुक्त अभियान की शुरुआत की। प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने कहा कि नशे से हमारे देश की युवा पीढ़ी पथभ्रष्ट होगी जिससे देश के विकास पर गहरा असर पड़ेगा। खरक ने ग्रामीणों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति नशा करता या बेचता पाया जाए, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में दें। उन्होंने ग्रामीणों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई और विशेष रूप से युवाओं व बच्चों से आह्वान किया कि वे नशे से बचकर पढ़ाई और खेलकूद में ध्यान दें।

- लाखन माजरा खंड के गांव नांदल में बुजुर्ग और जागरूक युवा घर-घर जाकर करेंगे जागरूक

धान को एमएसपी पर खरीद कर साथ में बोनस दिया जाए : सांसद

- चुनाव के समय धान का 3,100 रुपये रेट देने का वादा झूठा साबित हो रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा गांव भैयापुर (लाढ़ौत) के देशवाल भवन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हरियाणा का किसान बाढ़ की मार से उबर भी नहीं पाया कि अब उसे सरकारी मार ने अपनी चपेट में ले लिया। सरकार ने बड़े-बड़े वादे तो किए लेकिन न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह नाकाम रही। सरकारी खरीद बंद रहने से किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ रही है। मंडियों में सरकारी खरीद न होने के कारण किसानों को अपनी धान 300 से 400 रुपये प्रति क्विंटल कम रेट पर बेचनी पड़ रही है।

नमी का बहाना बनाकर सरकारी एजेंसियां खरीद से इनकार कर रही हैं, जिससे किसानों को कई दिन-रात इंतजार करना पड़ रहा है। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि किसानों से एमएसपी पर खरीद के साथ उन्हें बोनस दिया जाए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रमुख रूप से ग्रामीण प्रधान बलवान रंगा, शहरी प्रधान कुलदीप केडी, बिल्लू हुड्डा, पंडित राज बहादुर, कमेटी प्रधान नाहर सिंह, जिलाध्यक्ष एससी सेल जितेंद्र बाल्मीकि, अजय सरपंच, पूर्व प्रधान काशी राम, पूर्व प्रधान राजपाल, पूर्व जिला पार्षद जय भगवान, महले राम, सुलभ गुगनानी, हनी राणा, करतार देशवाल, प्रताप सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

5 लाख रुपये देने की घोषणा

योग पद्धति अपनाने से मनुष्य का हो सकता है कायाकल्प : डॉ. मिड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर मनुष्य योग क्रियाओ को शामिल कर लें तो उसके जीवन की कायाकल्प हो सकती है। यह विचार गोहाना अड्डा स्थित दिव्य योग मंदिर के ब्रह्मलीन योगाचार्य अशोक के चतुर्थ निर्वाण दिवस के उपलक्ष में मनाए जा रहे 75 वे वार्षिकोत्सव पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे विधानसभा हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्डा ने रखें। उन्होंने कहा कि आदिकाल से योग पद्धति का प्रचलन है लेकिन आज के दौर में यह हर मनुष्य के लिए एक रामबाण दवा है जो मेडिकल साइंस के लिए भी एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि उनका सौभाग्य है कि आज इस गुरु घर से जुड़े पारिवारिक सदस्य मनीष ग्रोवर के कहने पर उन्हें यहां आने का मौका मिला और गुरुजनों का आशीर्वाद पाया। वहीं पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर ने कहा कि दिव्य योग मंदिर से उनका पारिवारिक नाता है और इस मंदिर के गुरुजनों के आशीर्वाद से ही आज वह राजनीति में वह मुकाम हासिल कर चुके हैं जिसको शब्दों में बया नहीं किया जा सकता। आज प्रातः काल इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर मंदिर के गुरुजनों के आशीर्वाद से गुरु गद्दी नशीन प्रधान योगाचार्य स्वामी अमित देव के सानिध्य में आरती पूजन गुरु गीता कलश पूजन हवन और योग साधना प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें यमुनानगर से आए योगाचार्य विनय कुमार ने योग क्रियाओं का प्रदर्शन किया।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते विधानसभा हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डॉक्टर कृष्ण लाल मिड्डा। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद: समारोह में समाजसेवी और उद्योगपति राजेश जैन, गोकर्ण तीर्थ के पीठाधीश्वर कमल पुरी महाराज, कपिल पुरी महाराज के अलावा डेरा बाबा बालक पुरी के महामंडलेश्वर करण पुरी और कलानौर गुरु गद्दी के कई संत महात्मा अपना आशीर्वाद देने पहुंचे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

एमडीयू एम्पलाइज और द फोर्स टीम के बीच मैत्री मैच

कांटे के मुकाबले में एमडीयू 8 रन से जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- एमडीयू की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 144 रन का स्कोर किया

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट स्टेडियम में आज एमडीयू एम्पलाइज और द फोर्स क्रिकेट टीमों के बीच टी-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इस कांटे के मुकाबले में एमडीयू की टीम ने आठ रनों से जीत प्राप्त की। एमडीयू कैप्टन नरेंद्र शीलक मैन ऑफ द मैच बने।

टीमों को दी शुभकामनाएं

एमडीयू के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एससी मलिक ने बतौर मुख्यातिथि न केवल इस मुकाबले का शुभारंभ किया, अपितु मैच में भाग लेकर सभी कर्मियों को खेल मैदान से जुड़ने का सार्थक संदेश भी दिया। उन्होंने फील्डिंग और बोलिंग करके दोनों टीमों का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि खेल से जहां स्वास्थ्य लाभ मिलता है वहीं कर्मियों की कार्य क्षमता भी बढ़ती है। उन्होंने दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। द फोर्स की टीम ने टॉस जीतते हुए पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। एमडीयू के ओपनर्स नरेंद्र शीलक और राजकुमार ने पावर प्ले में बढ़िया शुरुआत दी, जिसके बाद दीपक कुमार, राजेश पंवार, गौरव दुरेजा और राजेश शर्मा की अच्छी बल्लेबाजी की बदौलत एमडीयू की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 144 रन का स्कोर बनाया। द फोर्स की टीम ने भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 145 रन का लक्ष्य हासिल करने के लिए पूरा जोर लगाया। लेकिन एमडीयू की सटीक गेंदबाजी के आगे द फोर्स टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 138 रन ही बना सकी और एमडीयू 8 रन से मैच जीता।

एमडीयू की तरफ से पंकज नैन, ऋषि सैनी, रामबीर राणा, योगेंद्र सिवाच, परवीन कुमार, महिपाल फोगाट, सुनील कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया। द फोर्स की तरफ से कप्तान लारा, निजेश हुड्डा, जगदीप हुड्डा, अमित राणा, तेजेंद्र ओहलान, दीपक भारद्वाज, डॉ. अजय नांदल, अनिल कुमार एडवोकेट, परमजीत नैन, अनिल दुहन और प्रदीप कुमार ने बेहतर खेल प्रदर्शन किया।

वेबिनार में बर्नआउट और मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तार से प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च यूनिट (एमआरयू), पं. बीडी शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस) ने एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का सफल आयोजन किया। यह एमआरयू का 32वां आयोजन था, जिसका विषय था "एड्रेसिंग बर्नआउट एंड सपोर्टिंग मेंटल हेल्थ इन मेडिकल प्रोफेशनल्स"।

कार्यक्रम की शुरुआत पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और एमआरयू के नोडल अधिकारी डॉ. संजय कुमार ने की, जिन्होंने मुख्य वक्ता, पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एसके सिंघल, और सभी प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया। निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने वेबिनार में मुख्य वक्ता को संबोधित किया और सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। मुख्य वक्ता डॉ. नीरज जैन, प्रेसिडेंट एंड कोर्स डायरेक्टर, मिलाप, नई दिल्ली ने "एड्रेसिंग बर्नआउट एंड सपोर्टिंग मेंटल हेल्थ इन मेडिकल प्रोफेशनल्स" विषय पर विस्तृत और प्रभावी चर्चा की। डॉ. जैन ने बर्नआउट के समाधान के लिए व्यक्तिगत और ऑर्गेनाइजेशन स्तरीय रणनीतियों पर जोर दिया। चर्चा में इस बात पर बल दिया कि मेडिकल प्रोफेशनल्स की मानसिक स्थिति की देखभाल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संगठन और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।